



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 452]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 10, 2011/श्रावण 19, 1933

No. 452]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 10, 2011/SRAVANA 19, 1933

रक्षोपाय, सीमाशुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय

रक्षोपाय जाँच की शुरुआत की सूचना

[ सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 के नियम 6 के अंतर्गत ]

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 2011

विषय: भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों के बारे में रक्षोपाय जाँच की शुरुआत।

सा.का.नि. 615(अ).—भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के संबंधित आयातों के कारण हुई गुंभीर क्षति से थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों की रक्षा करने हेतु भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के बारे में सीमा-शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 के नियम 5 के अंतर्गत मै. तिरुमाला कैमिकल्स लि., रानीपेट, तमिलनाडु, मै. आई जी पेट्रोकेमिकल्स लि., रायगढ़, महाराष्ट्र, मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि., रायचूर कर्नाटक द्वारा मेरे समक्ष एक आवेदन दायर किया गया है।

2. घरेलू उद्योग:—थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए यह आवेदन मै. तिरुमाला कैमिकल्स लि., रानीपेट, तमिलनाडु, मै. आई जी पेट्रोकेमिकल्स लि., रायगढ़, महाराष्ट्र, मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि., रायचूर कर्नाटक द्वारा दायर किया गया है। यह आवेदन भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के पाँच घरेलू उत्पादकों में से तीन उत्पादकों द्वारा किया गया है जिनका उत्पादन कुल उत्पादन का 86% बनता है।

3. शामिल उत्पाद:—विचाराधीन उत्पाद थैलिक एनहाइड्राइड है। यह थैलिक एसिड का एक एनहाइड्राइड होता है जिसका वाणिज्यिक उत्पादन ऑर्थो-जायलिन अथवा नेपिथलिन के केटेलिटिक ऑक्सिडेशन द्वारा होता है। यह रंगहीन ठोस है जिसका थैलिक एनहाइड्राइड फ्लैक्स, थैलिक एनहाइड्राइड (98% न्यूनतम), थैलिक एसिड एनहाइड्रस, थैलिक एनहाइड्राइड (98.8% न्यूनतम) आदि जैसे विभिन्न नामों से उल्लेख किया जाता है। उत्पाद का उत्पादन केवल एक ग्रेड में होता है यद्यपि इसकी खपत प्रयोग में लाई जाने वाली प्रक्रियाओं में ठोस या द्रव के रूप में की जा सकती है। जहाँ तक विभिन्न अनुप्रयोगों का संबंध है, इसमें विशिष्ट प्रकार या स्वरूप नहीं होता है। इसके अलावा, इसका उपयोग विभिन्न रसायनों की उत्पादन प्रक्रिया में होता है जिनमें थैलिक एनहाइड्राइड के समान विशेषतायुक्त गुणधर्म होते हैं। थैलिक एनहाइड्राइड का उपयोग थैलिक ईस्टर्स के उत्पादन में होता है जो प्लास्टिसाइजर्स के रूप में काम करता है। यह प्लास्टिक उद्योग में एक प्रमुख रसायनिक मध्यवर्ती है। थैलिक एनहाइड्राइड सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सी.शु. उपशीर्ष सं. 29173500 के अंतर्गत वर्गीकृत है।

4. **संक्षिप्त इतिवृत्त-** महानिदेशक (रक्षोपाय) द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियमावली, 1997 (जिसे आगे “ रक्षोपाय नियमावली ” कहा गया है) के नियम 5 के अंतर्गत (1) मै. तिरुमाला कैमिकल्स लि., रानीपेट, तमिलनाडु, (2) मै. आई जी पेट्रोकेमिकल्स लि., रायगढ़, महाराष्ट्र, (3) मै. मैसूर पेट्रोकेमिकल्स लि., रायचूर, कर्नाटक तथा (4) मै. एस आर्ट थुप इंडिया लि., नवी मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा दायर आवेदन पर पूर्व में जांच शुरू की गई थी। इस आवेदन में यह आरोप लगाते हुए थैलिक एनहाइड्राइड के संवर्धित आयातों के कारण भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हो रही है और/अथवा गंभीर क्षति का खतरा बना हुआ है, भारत में थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने की माँग की गयी थी। इस बात से संतुष्ट होने के बाद कि नियम 5 की अपेक्षाएँ पूरी होती हैं, भारत के राजपत्र, असाधारण में 28 नवम्बर, 2008 को प्रकाशित जांच शुरूआत संबंधी सूचना के तहत उसी दिन थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों के खिलाफ रक्षोपाय जांच शुरू की गई थी।

4.1 जांच शीघ्र पूरी करने के बाद प्रारंभिक जांच परिणाम 1 जनवरी, 2009 को जारी किए गए थे। केन्द्र सरकार ने महानिदेशक, रक्षोपाय की सिफारिश के आधार पर सी.शु. अधिसूचना सं. 9/2009-सी.शु., दिनांक 29 जनवरी, 2009 के तहत 29 जनवरी, 2009 से 25% की दर से अनंतिम रक्षोपाय शुल्क लागू किया था।

4.2 महानिदेशक (रक्षोपाय) द्वारा तीन वर्ष की अवधि अर्थात् 29.01.2009 से 28.01.2012 तक के लिए निश्चयात्मक रक्षोपाय शुल्क की सिफारिश करते हुए 28 मई, 2009 को अंतिम जांच परिणाम सा.का.नि. 366(अ.) जारी किए थे। तथापि, केन्द्र सरकार ने केवल एक वर्ष अर्थात् 29.01.2009 से 30.06.2009 तक 25% की दर से और 01.07.2009 से 31.12.2009 तक 15% की दर से निश्चयात्मक रक्षोपाय शुल्क लागू किया था।

4.3 निश्चयात्मक रक्षोपाय शुल्क 31.12.2009 को समाप्त हो गया है। तत्पश्चात् घरेलू उद्योग ने समीक्षा हेतु कोई आवेदन दायर नहीं किया था। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा दायर वर्तमान आवेदन एक वर्ष के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए है जिसका उद्देश्य जीवित रहने के लिए अपनी क्षमता उपयोग को बढ़ाने हेतु घरेलू उद्योग को सक्षम बनाना है।

5. **संवर्धित आयात-** भारत में थैलिक एनहाइड्राइड का आयात कई देशों और मुख्यतः कोरिया गण., इजरायल, ईरान तथा ताइवान से किया जाता है। थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों में समग्र रूप में और घरेलू उत्पादन की तुलना में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। वर्ष 2008-09 की ति. 4 से अप्रैल-मई, 2011 के दौरान थैलिक एनहाइड्राइड के आयात और घरेलू उत्पादन निम्नानुसार रहा है :-

वित्त वर्ष	तिमाही	कुल आयात (मी. टन)	घरेलू उत्पादन (मी. टन)
2008-09	ति.4	6103	49607
2009-10	ति.1	7240	47985
	ति.2	5163	58259
	ति.3	8526	40437
	ति.4	7169	52853
2010-11	ति.1	23615	55503
	ति.2	8611	58168
	ति.3	18082	52319
	ति.4	11657	51271
2011-12	अप्रैल-मई	9188	35716

आयात वर्ष 2009-10 में 28098 मी. टन से बढ़कर 2010-11 में 61995 मी. टन हो गए हैं जिनमें अत्यधिक 121% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, वर्ष 2009-10 में घरेलू उत्पादन के संबंध में आयात में 14.08% और 2010-11 में 28.52% की वृद्धि हुई है।

6. क्षति- आवेदक ने दावा किया है कि थैलिक एनहाइड्राइड के संवर्धित आयातों के कारण थैलिक एनहाइड्राइड के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हो रही है और उसका खतरा बना हुआ है जैसा कि निम्नलिखित कारकों से पता चलता है :-

क) उत्पादन- घरेलू उत्पादन में ति. 2 (2010-11) में 58259 मी. टन से लगातार गिरावट आ रही है, ति. 3 (2010-11) में यह घटकर 52319 मी. टन और ति. 4 (2010-11) में आगे और घटकर 51271 मी. टन तथा ति. 1 (2011-12) में अंततः घटकर 50124 मी. टन हो गया है।

वर्ष		सूचकांक	मात्रा (मी. टन)
2008-09	ति.4	100	49607
2009-10	ति.1	97	47985
	ति.2	117	58259
	ति.3	82	40437
	ति.4	107	52853
2010-11	ति.1	112	55503
	ति.2	117	58168
	ति.3	105	52319
	ति.4	103	51271
2011-12	ति.1	101	50124

ख) क्षमता उपयोग- हाल की अवधि में घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भारी गिरावट आई है जो 2010-11 की ति. 2 में 87% से घटकर 2011-12 की ति. 1 में 75% हो गया है।

वर्ष		उपयोग की गई क्षमता (%)
2008-09	ति.4	83
2009-10	ति.1	72
	ति.2	87
	ति.3	60
	ति.4	79
2010-11	ति.1	83
	ति.2	87
	ति.3	78
	ति.4	76
2011-12	ति.1	75

मैसूर पेट्रोकेमिकल्स का संयंत्र 20.06.2011 से अनिश्चित काल की अवधि के लिए फिलहाल बंद है जिसकी वजह काफी अधिक स्टाफ का जमा हो जाना है।

ग) घरेलू खपत में घरेलू उत्पादकों का हिस्सा- घरेलू उत्पादकों के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। आवेदक का वर्ष 2009-10 में 75% बाजार हिस्सा था जो 2010-11 के दौरान घटकर 69% हो गया। ति. 1 (अप्रैल-मई, 2011) में आवेदकों का बाजार हिस्सा आगे और घटकर 64% हो गया।

घ) लाभ/हानि- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में इतनी तेजी से गिरावट आई है कि घरेलू उद्योग अब वित्तीय घाटा उठाने की स्थिति में आ गया है। यह निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट हो जाता है :-

वित्त वर्ष	लाख रु. में लाभप्रदता
2009-10	2583
2010-11 (वार्षिकीकृत)	-1513
2011-12 (ति.1)	-384
2011-12 (वार्षिकीकृत)	-1536

ङ.) मालसूची- घरेलू उद्योग के पास मालसूची में भारी वृद्धि हो रही है। निम्नलिखित तालिका से मालसूची के स्तर का पता चलता है जिसमें 2009-10 में 4530 मी. टन से अत्यधिक वृद्धि होकर 2010-11 में 5718 मी. टन और ति. 1 (2011-12) में आगे और बढ़कर 8131 मी. टन हो जाने और 2009-10 की तुलना में 2011-12 में इसके दोगुना हो जाने का पता चलता है जो घरेलू उद्योग की दयनीय स्थिति का द्योतक है।

वर्ष		सूचकांक	मात्रा (मी. टन)
2008-09	ति.4	100	5365
2009-10	ति.1	30	1604
	ति.2	114	6101
	ति.3	9	487
	ति.4	84	4530
2010-11	ति.1	83	4468
	ति.2	46	2484
	ति.3	172	9232
	ति.4	107	5718
2011-12	ति.1	152	8131

7. घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में एक वर्ष की अवधि के लिए रक्षोपाय तुरंत लागू करने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग द्वारा महत्वपूर्ण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक वर्ष के लिए अनंतिम रक्षोपाय शुल्क तुरंत लागू करने के बारे में किया गया अनुरोध उपयुक्त है क्योंकि विचाराधीन उत्पादों के संवर्धित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में तेजी से आई गिरावट को देखते हुए अंतरिम उपाय करना जरूरी है। पीएन का प्रमुख चीन का बाजार कोरिया और ताइवान के निर्यातोन्मुख उत्पादों से अटा पड़ा है जबकि भारतीय बाजार अभी भी मजबूत है जिससे आयातों में भारी वृद्धि हुई है। आवेदकों ने आगे यह अनुरोध किया है कि कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि होने के बावजूद पीएन की कीमत वही रही है या कई बार उसमें गिरावट आई है। ऐसा आयातों में वृद्धि होने और इस प्रकार वित्तीय घाटा होने की दृष्टि से घरेलू उद्योग के समक्ष बाजारी दबाव के कारण हुआ है।

8. आवेदन की जांच की गई है और यह पाया गया है कि पीएएन (थैलिक एनहाइड्राइड) के प्रथम दृष्ट्या संवर्धित आयातों के कारण पीएएन के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हो रही है और उसका खतरा बना हुआ है और तदनुसार इस सूचना के जरिए जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

9. सभी हितबद्ध पक्षकार इस सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर निम्नलिखित को अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं :

**महानिदेशक (रक्षोपाय)**

**भाई वीर सिंह साहित्य सदन, दूसरा तल,**

**भाई वीर सिंह मार्ग,**

**गोल मार्केट, नई दिल्ली-110001, भारत**

**टेलीफैक्स: 23741542, 23741537**

**ई-मेल : dgsafeguards@nic.in**

10. समस्त ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को भी अलग से लिखा जा रहा है।

11. इस जांच से संबंधित कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार जो हितबद्ध पक्षकार के रूप में विचार करने के लिए इच्छुक है, अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकता है जिसे इस सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर उपर्युक्त पते पर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास पहुँच जाना चाहिए।

[फा. सं. डी-22011/08/2011]

इंद्राणी दत्त मजूमदार, महानिदेशक

## **DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS' CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE**

### **NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION**

[under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

New Delhi, the 10th August, 2011

**Sub: Initiation of safeguard investigation concerning imports of Phthalic Anhydride into India.**

**G.S.R. 615(E).**—An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by M/s. Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet, Tamilnadu, M/s. IG Petrochemicals Ltd., Raigad, Maharashtra, M/s. Mysore Petrochemicals Ltd, Raichur, Karnataka for imposition of Safeguard Duty on imports of Phthalic Anhydride into India to protect the domestic producers of Phthalic Anhydride against serious injury caused by the increased imports of Phthalic Anhydride into India.

**2. Domestic Industry:** The application has been filed by M/s Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet, Tamilnadu, M/s. IG Petrochemicals Ltd., Raigad, Maharashtra, M/s. Mysore Petrochemicals Ltd., Raichur, Karnataka for imposition of Safeguard Duty on imports of Phthalic Anhydride. The application has been made by three of the five domestic producers of Phthalic Anhydride in India accounting for 86% of the total production.

**3. Product Involved:** The product under consideration is Phthalic Anhydride. It is an anhydride of Phthalic Acid, and is commercially produced by catalytic oxidation of Ortho- xylene or

30839011-2

Naphthalene. It is a colourless solid, variously referred as Phthalic Anhydride flakes, Phthalic Anhydride (98% min.), Phthalic Acid Anhydrous, Phthalic Anhydride (99.8% min), etc. The product is produced only in one grade, though, it may be consumed as a solid or liquid in processes it is used. As regards different applications, it does not have distinguishable different types or forms. Further, it is used in production process of various chemicals, which use the same characteristic properties of Phthalic Anhydride. Phthalic Anhydride is used to produce Phthalate esters, which function as plasticizers. It is an important chemical intermediate in plastic industry. Phthalic Anhydride is classified under Customs sub-heading No. 29173500 under the Customs Tariff Act, 1975

**4. Brief history:** An investigation was initiated by the DG (safeguards) earlier on the application filed under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 [hereinafter referred to as "Safeguard Rules"] by (1) M/s. Thirumalai Chemicals Ltd, Ranipet Tamilnadu, (2) M/s. IG Petrochemicals Ltd Raigad Maharashtra, (3) M/s. Mysore Petrochemicals Ltd, Raichur Karnataka, and (4) M/s SI Group India Ltd., Navi Mumbai Maharashtra, seeking imposition of Safeguard Duty on imports of Phthalic Anhydride into India alleging that increased imports of Phthalic Anhydride was causing and/or threatening to cause serious injury to the domestic producers of Phthalic Anhydride in India. Having satisfied that the requirements of Rule 5, safeguard investigation against imports of Phthalic Anhydride was initiated vide notice of initiation dated 28th November 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary on the same day.

**4.1** After expeditious conduct of investigation preliminary findings were issued on 1st January 2009. Central Government levied provisional safeguard duty at the rate of 25% with effect from 29th January 2009 vide customs notification No.9/2009-Cus dated 29th January 2009 based on the recommendation of DG Safeguard.

**4.2** Director General (Safeguard) issued Final Findings G.S.R. 366(E), dated the 28th May, 2009, recommending definitive Safeguard duty for a period of three years, i.e. from 29-01-2009 to 28-01-2012. The Central Government however imposed definitive Safeguard duty for one year only, @ 25% from 29.01.2009 to 30.06.2009 and @15% from 01.07.2009 to 31.12.2009.

**4.3** The definitive safeguard duty has expired on 31.12.2009. Thereafter, no application was filed for review by the domestic industry. However, the instant application filed by the domestic industry has been for imposition of safeguard duty for one year with the purpose to enable the domestic industry to improve its capacity utilization in order to survive.

**5. Increased Imports:** Phthalic Anhydride is imported into India from a number of countries, and primarily from Republic of Korea, Israel, Iran and Taiwan. The imports of Phthalic Anhydride have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic production. The imports and domestic production of Phthalic Anhydride during Q4 of 2008-09 to April-May, 2011 remained as under:

Financial Year	Quarter	Total Imports (MT)	Domestic Production (MT)
2008-09	Q4	6103	49607
2009-10	Q1	7240	47985
	Q2	5163	58259
	Q3	8526	40437
	Q4	7169	52853
2010-11	Q1	23615	55503
	Q2	8611	58168
	Q3	18082	52319
	Q4	11657	51271
2011-12	April-May	9188	35716

The Imports have increased from 28098 MT 2009-10 to 61965 MT in 2010-11 which shows an increase of 121% which is phenomenal. Further the import with respect to domestic production was 14.08 % in 2009-10 and increased to 28.52 % in 2010-11.

6. **Injury:** The applicant have claimed that the increased imports of Phthalic Anhydride have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Phthalic Anhydride as indicated by the following factors:

a) **Production:** The domestic production has been falling steadily from 58259MT in Quarter 2 (2010-11), then 52319 MT in Quarter 3 (2010-11) & further to 51271MT in Q4(2010-11) and finally to 50124 MT in Q1(2011-12) .

YEAR		Index	QTY(MT)
2008-09	Q4	100	49607
2009-10	Q1	97	47985
	Q2	117	58259
	Q3	82	40437
	Q4	107	52853
2010-11	Q1	112	55503
	Q2	117	58168
	Q3	105	52319
	Q4	103	51271
2011-12	Q1	101	50124

b) **Capacity Utilization:** Capacity utilization of the domestic industry has declined significantly in the most recent period, from 87% in Q2 of 2010-11 to 75% in Q1 of 2011-12.

YEAR		Capacity utilized(%)
2008-09	Q4	83
2009-10	Q1	72
	Q2	87
	Q3	60
	Q4	79
2010-11	Q1	83
	Q2	87
	Q3	78
	Q4	76
2011-12	Q1	75

The plant of Mysore Petrochemicals is at present under shutdown for an indefinite period w.e.f 20.06.2011 due to accumulation of high stocks.

c) **Share of domestic producers in domestic consumption:** Market share of domestic producers has fallen significantly. Applicants had a market share of 75% in 2009-10 which

3083 4611-3

fell to 69% during 2010-11. The market share of the applicants further declined to 64% in Q1(Apr-May 2011).

d) *Profit/loss* – the profitability of the domestic industry has steeply deteriorated to such a situation that the domestic industry is now suffering financial losses. This is evident from the table below:-

	Rs. In Lakhs
Financial Year	Profitability
2009-10	2583
2010-11 (Annualized)	-1513
2011-12 (Q1)	-384
2011-12 (Annualized)	-1536

e) *Inventories* – the inventories with the domestic industry have increased significantly. The table below depicts the inventories level which have witnessed a massive surge from 4530 MT in 2009-10 to 5718 MT in 2010-11 and further to 8131 MT in Q1 (2011-12), almost doubling in 2011-12 from the 2009-10 level, reflecting the plight of the domestic industry.

YEAR		Index	QTY(MT)
2008-09	Q4	100	5365
2009-10	Q1	30	1604
	Q2	114	6101
	Q3	9	487
	Q4	84	4530
2010-11	Q1	83	4468
	Q2	46	2484
	Q3	172	9232
	Q4	107	5718
2011-12	Q1	152	8131

7. The domestic industry has requested for immediate imposition of safeguard measures for a period of one year in their application. The domestic industry's request for imposition of provisional safeguard duty for one year is in light of critical circumstances, since interim measures are imperative in view of steep deterioration in performance of the domestic industry as a result of increased imports of product under consideration. The major Chinese market for PAN has clogged for the export oriented producers of Korea and Taiwan whereas the Indian market is still strong which led to tremendous increase in imports. The applicants have further submitted that despite increase in the prices of raw materials, the prices of PAN remained the same or at times declined. This is due to market pressure faced by the domestic industry from the increase in imports leading to financial losses.

8. The application has been examined and it has been found that prima facie increased imports of PAN (Phthalic Anhydride) have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of PAN and such increase in imports has caused irreparable damage to the domestic industry and accordingly, it has been decided to initiate an investigation through this notice.



9. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)  
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan: 2nd Floor,  
Bhai Vir Singh Marg,  
Gole Market, New Delhi-110 001, INDIA.  
Telefax: 011-23741542/ 23741537  
E-mail: [dgsafeguards@nic.in](mailto:dgsafeguards@nic.in)

10. All known interested parties are also being addressed separately.

11. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) on the aforementioned address within 21 days from the date of this notice.

[F.No.D-22011/08/2011]

INDRANI DUTT MAJUMDER, Director General